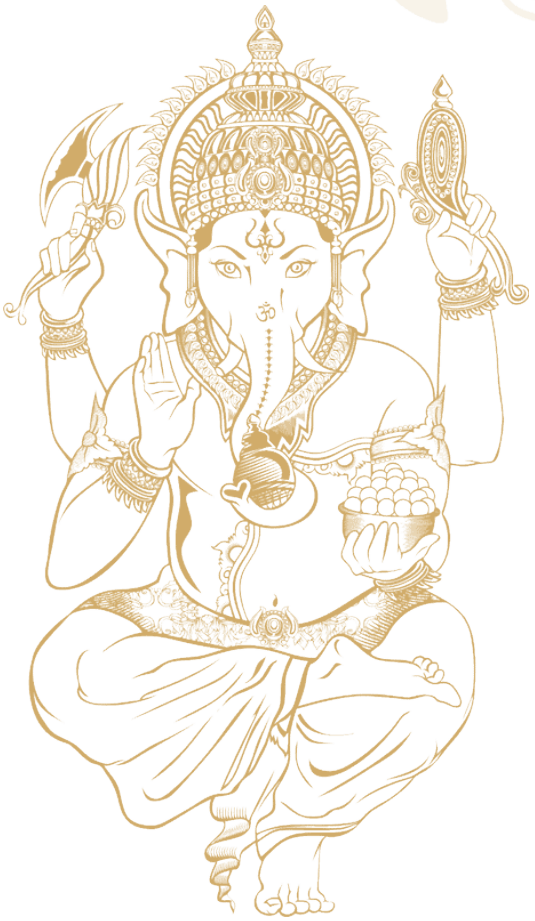

Bharat

21 May 2000

06:50 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121381303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/05/2000**
दिन	रविवार
जन्म समय	**06:50:00 घंटे**
इष्ट	03:26:33 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:28:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:25 घंटे
साम्पातिक काल	22:24:52 घंटे
सूर्योदय	05:27:22 घंटे
सूर्यास्त	19:08:26 घंटे
दिनमान	13:41:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	06:26:35 वृष
लग्न के अंश	26:39:50 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	26:39:50	347:43:00	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			वृष	06:26:35	00:57:42	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	06:47:35	11:51:46	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	वृष	18:08:34	00:41:21	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध			वृष	20:08:28	01:57:34	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
गुरु			मेष	27:04:33	00:14:10	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			वृष	00:40:02	01:13:45	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि			मेष	27:53:46	00:07:40	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	02:01:14	00:04:18	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	02:01:14	00:04:18	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:57:33	00:00:13	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:40:22	00:00:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	17:59:49	00:01:35	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	10:28:34	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:28

लग्न-चलित

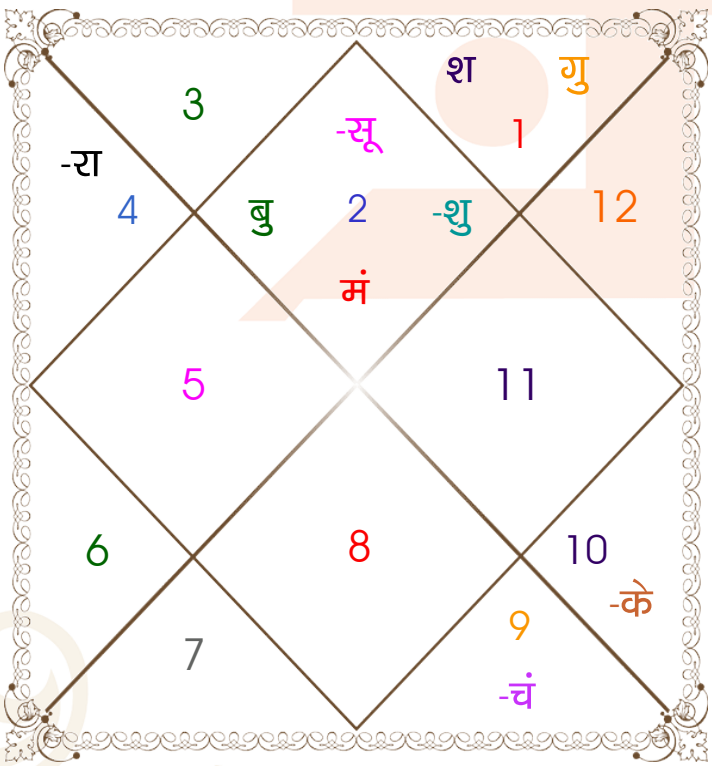

चन्द्र कुंडली

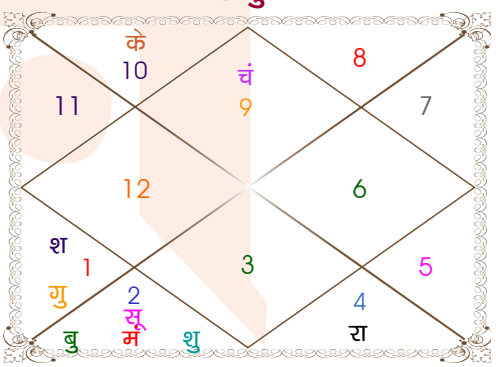

नवमांश कुंडली

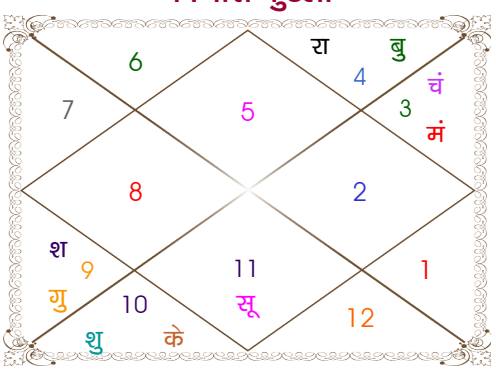

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 5 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/05/2000		27/10/2003		27/10/2023		26/10/2029		27/10/2039	
27/10/2003		27/10/2023		26/10/2029		27/10/2039		27/10/2046	
	00/00/0000	शुक्र	25/02/2007	सूर्य	14/02/2024	चंद्र	27/08/2030	मंगल	24/03/2040
	00/00/0000	सूर्य	26/02/2008	चंद्र	14/08/2024	मंगल	28/03/2031	राहु	12/04/2041
	00/00/0000	चंद्र	26/10/2009	मंगल	20/12/2024	राहु	26/09/2032	गुरु	18/03/2042
	00/00/0000	मंगल	27/12/2010	राहु	14/11/2025	गुरु	26/01/2034	शनि	27/04/2043
	21/05/2000	राहु	26/12/2013	गुरु	02/09/2026	शनि	27/08/2035	बुध	24/04/2044
राहु	14/10/2000	गुरु	26/08/2016	शनि	15/08/2027	बुध	26/01/2037	केतु	20/09/2044
गुरु	20/09/2001	शनि	27/10/2019	बुध	20/06/2028	केतु	27/08/2037	शुक्र	20/11/2045
शनि	30/10/2002	बुध	27/08/2022	केतु	26/10/2028	शुक्र	27/04/2039	सूर्य	28/03/2046
बुध	27/10/2003	केतु	27/10/2023	शुक्र	26/10/2029	सूर्य	27/10/2039	चंद्र	27/10/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/10/2046		26/10/2064		26/10/2080		27/10/2099		27/10/2116	
26/10/2064		26/10/2080		27/10/2099		27/10/2116		00/00/0000	
राहु	09/07/2049	गुरु	14/12/2066	शनि	30/10/2083	बुध	26/03/2102	केतु	25/03/2117
गुरु	02/12/2051	शनि	27/06/2069	बुध	09/07/2086	केतु	23/03/2103	शुक्र	25/05/2118
शनि	08/10/2054	बुध	03/10/2071	केतु	18/08/2087	शुक्र	21/01/2106	सूर्य	30/09/2118
बुध	27/04/2057	केतु	07/09/2072	शुक्र	18/10/2090	सूर्य	27/11/2106	चंद्र	01/05/2119
केतु	15/05/2058	शुक्र	09/05/2075	सूर्य	30/09/2091	चंद्र	28/04/2108	मंगल	28/09/2119
शुक्र	15/05/2061	सूर्य	26/02/2076	चंद्र	30/04/2093	मंगल	25/04/2109	राहु	22/05/2120
सूर्य	09/04/2062	चंद्र	27/06/2077	मंगल	09/06/2094	राहु	12/11/2111		00/00/0000
चंद्र	09/10/2063	मंगल	03/06/2078	राहु	15/04/2097	गुरु	17/02/2114		00/00/0000
मंगल	26/10/2064	राहु	26/10/2080	गुरु	27/10/2099	शनि	27/10/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 5 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।